टिप्पणी

9

तलपट

जब भी आप अंकगणित का प्रश्न हल करते हैं, तो आप यह जाँच करना चाहते हैं कि आपका उत्तर सही है अथवा नहीं। यदि आप अन्य किसी समस्या को हल करना चाहते हैं तो आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इसका हल ठीक हो। इसके लिए आपको कोई रास्ता निकालना होता है। इसी प्रकार से एक लेखाकार भी यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जो खाते उसने तैयार किये हैं उनकी राशि, पक्ष, शेष आदि शुद्ध होने चाहिएँ। खाता बही की खतौनी की शुद्धता की जाँच के लिए एक विवरण बनाया जाता है। इस विवरण को तलपट कहते हैं। आप यह भी जानते हैं कि खाते द्विअंकन प्रणाली के आधार पर बनाये जाते है। इस पद्धति के अनुसार प्रत्येक लेनदेन के 'नाम' के साथ-साथ उतनी ही राशि से 'जमा' भी होता है। इसलिए खाता बही के विभिन्न खातों के नाम शेष का कुल योग शेष बचे खातों के जमा शेष के कुल योग के बराबर होगा यदि लेन देनों की खाता बही में सही खतौनी की है। एक विवरण तैयार किया जाता है जिस में दो स्तम्भों में यह शेष लिखे जाते हैं अर्थात नाम के स्तम्भ में नाम शेष तथा जमा के स्तम्भ में जमा शेष। फिर नाम के योग का 'जमा' स्तम्भ के योग से मिलान किया जाता है। यदि स्तम्भों का योग समान है तो इसका अर्थ है कि खाता बही के खाते अंकगणितीय रूप में शुद्ध है।

इस पाठ में आप तलपट का अर्थ, उद्देश्य तथा तलपट बनाना सीखेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् आप

- तलपट का अर्थ बता सकेंगे;
- तलपट बनाने के उद्देश्यों को समझा सकेंगे;
- प्रारूप के अनुसार तलपट बना सकेंगे;

टिप्पणी

- तलपट का यदि मिलान नहीं होता है तो उचन्त खाते (Suspense account) की आवश्यकता की पहचान कर सकेंगे;
- तलपट के मिलान हो जाने पर भी त्रुटियों की संभावना का पता लगा सकेंगे।

9.1 तलपट का अर्थ एवं इसको बनाने का उद्देश्य

यदि आप लेखा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को याद करें तो आप पायेंगे कि सर्वप्रथम लेन देनों को रोजनामचा तथा विशेष उद्देश्यीय पुस्तकों, जैसे कि रोकड़ बही, क्रय बही विक्रय बही आदि में लिखा जाता है। इन लेखा पुस्तकों से मदों की खाता बही में अपने अपने खातों में खतौनी की जाती है। अन्त में लेखा वर्ष की समाप्ति पर इन खातों का शेष निकाला जाता है। खाता बही में खतौनी की शुद्धता की जाँच करने के लिए एक विवरण तैयार किया जाता है जिसके दो स्तम्भ होते हैं। एक नाम स्तम्भ और दूसरा जमा स्तम्भ जिनमें क्रमशः खातों का नाम शेष एवं जमा शेष लिखे होते हैं। यदि दोनों स्तम्भों का योग बराबर है तो इसका अर्थ है कि खाता बही में खतौनी अंकगणितीय रूप से शुद्ध है। इस विवरण को तलपट कहते हैं।

तलपट की परिभाषा एक ऐसे विवरण के रूप में दी जा सकती है जिसमें किसी तिथि विशेष को सभी खातों के शेष दिये होते हैं।

तलपट में नाम स्तम्भ होता है जिसमें खातों के सभी नाम शेष लिखे होते हैं और 'जमा' स्तम्भ होता है जिसमें खातों के सभी जमा शेष लिखे होते हैं। इन स्तम्भों के योग यदि बराबर आते हैं तो यह माना जाता है कि खाता बही ठीक से रखी जा रही है लेकिन ध्यान रहे तलपट, खाता बही में खतौनी की केवल अंकगणितीय शुद्धता को सिद्ध करता है।

तलपट बनाने के उद्देश्य

तलपट बनाने के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

(i) **अंकगणितीय शुद्धता की जाँच करना :** खाता बही में अंकगणितीय शुद्धता का अर्थ है, लेन देनों को विभिन्न मूल लेखा पुस्तकों, जैसे कि रोकड़ बही, क्रय बही, विक्रय बही आदि से खतौनी करते समय सही राशि, सही खाते में एवं सही पक्ष में लिखना। इसका अर्थ यह भी है कि खाता बही का शेष ही ठीक नहीं बल्कि सहायक लेखा पुस्तकों का योग भी ठीक है।

(ii) **वित्तीय विवरणों को बनाने में सहायक :** लेखांकन का अन्तिम उद्देश्य लेखा वर्ष के अन्त में एक व्यावसायिक उद्यम के वित्तीय विवरण अर्थात व्यापार एवं लाभ हानि खाता एवं स्थिति विवरण तैयार करना है। इन विवरणों में विभिन्न खाते दिये होते हैं। तलपट से खातों के शेष वित्तीय विवरणों में ले जाये जाते हैं।

(iii) **अशुद्धियों को ढूंढ़ने में सहायक :** यदि तलपट के दोनों स्तम्भों का मिलान हो जाता है तो खाता बही में खतौनी की अंकगणितीय शुद्धता मानी जाती है। यदि दोनों स्तम्भों का योग समान नहीं है तो यह खाता बही में गलती को दर्शाता है। लेखाकार गलतियों को ढूंढ़ने के लिए प्रेरित होता है।

टिप्पणी

(iv) तुलना करने में सहायक : किसी एक वर्ष के खातों के शेष की पिछले वर्ष के अनुरूप खातों के शेष से यदि तुलना की जाय तो इससे प्रबन्ध को कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। यह तभी सम्भव है यदि दो वर्ष के तलपटों का उपयोग किया जाय।

(v) समायोजन करने में सहायक : वित्तीय विवरण तैयार करते समय अन्तिम स्टॉक, पूर्वदत्त व्यय, अदत्त व्यय आदि का समायोजन करना होता है। तलपट उन मदों की पहचान करने में सहायता करता है जिनमें वित्तीय विवरण बनाने के लिए समायोजन करना होता है।

तलपट सामान्यतः वर्ष के अन्त में बनाया जाता है। वैसे इसे खतौनी की शुद्धता की जाँच के लिए कभी भी बनाया जा सकता है।

पाठगत प्रश्न 9.1

रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरकर पूरा कीजिए :

i. तलपट में खातों के शेष के ..... स्तम्भ एवं ..... स्तम्भ होते हैं।

ii. यदि तलपट के दो स्तम्भों का योग समान है तो इसका अर्थ है कि ..... सही है

iii. तलपट खतौनी की केवल ..... शुद्धता की जाँच करता है।

iv. तलपट बनाने का एक उद्देश्य ..... को ढूंढने में सहायता करना है।

v. ..... तैयार करते समय खाता बही के शेषों को तलपट से ले जाया जाता है।

9.2 तलपट का बनाना

तलपट खाता नहीं होता। यह खाता बही के खातों के शेषों की सूची या सारणी है जिसमें नकद शेष एवं बैंक शेष भी सम्मिलित हैं। यह किसी तिथि विशेष को बनाया जाता है। जिन खातों का नाम शेष होता है उनको नाम के स्तम्भ में लिखा जाता है तथा जिनका जमा शेष होता है उसके जमा के स्तम्भ में लिखा जाता है। खातों के दोनों पक्षों के जोड़ से भी तलपट बनाया जा सकता है। दोनों स्तम्भों का योग समान होना चाहिए। तलपट का मानक प्रारूप नीचे दिया गया है :

..... का तलपट

..... को (अन्तिम तिथि)

खाते का नाम	*खा.पृ.सं.*	*नाम शेष (₹)*	*जमा शेष (₹)*

टिप्पणी

विवरणों के शीर्ष पर तलपट शब्द के साथ फर्म का नाम लिखा जाता है। इसके नीचे वह तिथि लिखी जाती है जिस तिथि को तलपट बनाया जाता है।

तलपट के तीन स्तम्भ होते है : खाते का नाम, नाम राशि एवं जमा राशि।

'खाते का नाम' स्तम्भ में हम खाते का नाम लिखते हैं। 'नाम' राशि स्तम्भ में खाते का नाम शेष (अथवा खाते के नाम पक्ष का योग) लिखा जाता है। इसी प्रकार से जमा राशि स्तम्भ में खाते का जमा शेष (अथवा खाते के जमा पक्ष का योग) लिखा जाता है।

अन्त में दोनों स्तम्भों का जोड़ कर उनका मिलान किया जाता है।

तलपट बनाने के चरण

(i) सर्वप्रथम सभी खातों के बारी बारी से शेष निकाले जाते हैं।

(ii) 'खाते का नाम' स्तम्भ में खाता बही से लिए गए खातों के नाम लिखें।

(iii) प्रत्येक खाते के नाम के सामने नाम स्तम्भ/कुल योग स्तम्भ में शेष/कुल योग राशि को लिखें तथा जमा स्तम्भ/कुल योग स्तम्भ में जमा शेष/कुल योग राशि को लिखें।

(iv) नाम शेष/कुल योग राशि स्तम्भ एवं जमा शेष/कुल योग राशि स्तम्भों का योग करें।

तलपट को बनाने की तीन विधियां हैं :

(i) शेष विधि

(ii) कुल योग विधि

(iii) शेषों की कुल योग विधि

(i) शेष विधि : शेष विधि में प्रत्येक खाते का शेष (जो कि नाम शेष अथवा जमा शेष हो सकता है) निकाला जाता है और प्रत्येक खाते के सामने लिखा जाता है। हम नाम शेष को नाम स्तम्भ और जमा शेष को जमा स्तम्भ में लिखते हैं।

(ii) कुल योग विधि : इस विधि में खाता बही से सभी खातों के दोनों पक्षों का योग अपने अपने नाम के सामने लिखा जाता है तथा उनका नाम एवं जमा शेष के रूप में शेष नहीं निकाला जाता।

(iii) शेष विधि एवं कुलयोग विधि : इस विधि में तलपट पहली एवं दूसरी विधि दोनों को साथ लेकर बनाया जाता है।

व्यवहार रूप में तलपट खाता बही के विभिन्न खातों के नाम एवं जमा शेष लेकर तथा रोकड़ बही का शेष लेकर बनाया जाता है। सामान्यतः शेष विधि का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण 1

31 जनवरी, 2014 को समाप्त वर्ष को एक व्यापारी की खाता बही से निम्नलिखित खातों की सहायता से तलपट तैयार कीजिए।

टिप्पणी

पूँजी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 31	शेष आ./ले.		1,00,000	जन. 1	बैंक खाता		1,00,000
			1,00,000				1,00,000
				फर. 1	शेष आ./ला.		1,00,000

विक्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 31	व्यापार खातें			जन. 8	बैंक खाता		24,000
	हस्तांतरित		70,000	जन. 15	विक्रम		46,000
			70,000				70,000

क्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 5	प्रणया		40,000	जन. 31	स्टॉक		15,000
जन. 14	बैंक		55,000	जन. 31	शेष व्यापार खाता में हस्तान्तरित		80,000
			95,000				95,000

विक्रम का खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 15	विक्रय		46,000	जन. 31	शेष		46,000
			46,000				46,000
फरवरी 1	शेष		46,000				

टिप्पणी

प्रणया का खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 31	शेष		40,000	2014 जन. 5	क्रय		40,000
			40,000				40,000
				फर. 1	शेष		40,000

किराया प्राप्ति खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 31	शेष लाभ–हानि खाता में हस्तान्तरित		1,500	2014 जन. 31	बैंक		1,500
			1,500				1,500

बैंक खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 1	पूँजी खाता		1,00,000	2014 जन. 14	क्रय		55,000
जन. 1	विक्रय		24,000	जन. 20	कमीशन		1,800
जन. 31	किराया प्राप्ति		1,500	जन. 31	आहरण		2000
				जन. 31	शेष		66,700
			1,25,500				1,25,500

कमीशन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 20	बैंक		1,800	2014 जन. 31	शेष लाभ हानि खाते में हस्तान्तरित		1,800
			1,800				1,800

टिप्पणी

स्टॉक खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 31	क्रय खाता		15,000	जन. 31	शेष आ/ले		15,000
			15,000				15,000
फर. 1	शेष		15,000				

आहरण खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 31	बैंक		2,000	जन. 31	शेष		2,000
			2,000				2,000
फर. 1	शेष		2,000				

हल :

तलपट (31 जनवरी 2014 को)

खाते के नाम	नाम शेष (₹)	जमा शेष (₹)
पूँजी		1,00,000
विक्रय		70,000
क्रय	80,000	
विक्रम	46,000	
प्रणया		40,000
कमीशन	1,800	
किराया प्राप्त किया		1,500
आहरण	2,000	
अन्तिम रहतिया	15,000	
बैंक में रोकड़	66,700	
	2,11,500	2,11,500

टिप्पणी

उदाहरण 2

रोहन ब्रदर्स की खाता बही से लिए निम्न खातों से

(i) कुल योग विधि

(ii) मिश्रित विधि (शेष विधि एवं कुल योग विधि) से तलपट बनाइए :

रोकड़ खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 1	पूँजी		50,000	जन. 2	बैंक		40,000
जन. 28	रंजीत		9,900	जन. 12	भाड़ा		200
				जन. 31	वेतन		3,000
				जन. 31	किराया		2,400
			59,900				45,600

बैंक खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 2	रोकड़		40,000	जन. 8	फर्नीचर		12,000
जन. 14	विक्रय		16,000	जन. 10	क्रय		20,000
				जन. 20	विकास		12,000
				जन. 31	आहरण		4,000
			56,000				48,000

फर्नीचर खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 8	बैंक		12,000				
			12,000				

टिप्पणी

पूँजी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
				2014			
				जन. 1	रोकड़		50,000
							50,000

क्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 10	बैंक		20,000				
जन. 12	विकास		15,000				
			35,000				

विक्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
				जन. 14	बैंक		16,000
				जन. 20	रंजीत		14,000
							30,000

विकास खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 20	बैंक		12,000	जन. 12	क्रय खाता		15,000
			12,000				15,000

टिप्पणी

रंजीत खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 20	विक्रय		14,000	2014 जन. 25 जन. 28	रोकड़ बट्टा		9,900 100
			14,000				10,000

भाड़ा खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 12	रोकड़		200	2014			
			200				

वेतन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 31	रोकड़		3,000	2014			
			3,000				

किराया खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 31	रोकड़		2,400	2014			
			2,400				

आहरण खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 31	बैंक		4,000	2014			
			4,000				

टिप्पणी

बट्टा खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 28	रंजीत		100				
			100				

हल :

(i) कुलयोग विधि

रोहन ब्रादर्स का तलपट
31 जनवरी, 2014 को

खाते के नाम	नाम शेष (₹)	जमा शेष (₹)
रोकड़	59,900	45,600
बैंक	56,000	48,000
फर्नीचर	12,000	–
पूँजी	–	50,000
क्रय	35,000	–
विक्रय	–	30,000
विकास	12,000	15,000
रंजीत	14,000	10,000
भाड़ा	200	–
वेतन	3,000	–
किराया	2,400	–
आहरण	4,000	–
कटौती	100	–
	1,98,600	1,98,600

टिप्पणी

(ii) मिश्रित विधि

रोहन ब्रदर्स का तलपट
31 जनवरी, 2014 को

खातों का नाम	*कुल योग राशि*		*शेष राशि*	
	नाम (₹)	*जमा (₹)*	*नाम (₹)*	*जमा (₹)*
रोकड़	59,900	45,600	14300	–
बैंक	56,000	48,000	8,000	
फर्नीचर	12,000	–	12,000	–
पूँजी	–	50,000	–	50,000
क्रय	35,000	–	35,000	–
विक्रय	30,000	–		30,000
विकास	12,000	15,000	–	3,000
रंजीत	14,000	10,000	4,000	
भाड़ा	200	–	200	
वेतन	3000	–	3000	
किराया	2400	–	2400	
आहरण	4000	–	4000	
कटौती	100	–	100	
	198600	198600	83000	83000

पाठगत प्रश्न 9.2

रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरें

i. तलपट के ..... स्तम्भ होते हैं।

ii. तलपट बनाने की ..... विधियां हैं।

iii. साधारणतया तलपट की ..... विधि प्रयोग की जाती है।

iv. तलपट बनाने में अन्तिम चरण में इसके दो स्तम्भों के ..... की गणना की जाती है।

टिप्पणी

9.3 तलपट एवं अशुद्धियां

आप यह समझ चुके हैं कि यदि तलपट के दोनों स्तम्भों का योग समान होता है अर्थात तलपट मिलान हो गया है तो यह माना जाता है कि लेखा प्रविष्टियां अंकगणितीय रूप से शुद्ध हैं तथा खाता बही में खतौनी ठीक से की गई है। यदि योग समान नहीं है तो इसका अर्थ हुआ कि व्यावसायिक लेन देन की प्रविष्टि करने में या फिर खाता बही में खतौनी करने में अशुद्धि है।

तलपट के दो स्तम्भों के योगों के न मिलने के कारणों की सूची नीचे दी गई है :

(i) विशेष उद्देश्य बहियों जैसे कि विक्रय बही, क्रय बही आदि का जोड़ नहीं लगाया गया हो या फिर खाता बही में इन जोड़ों की अपने–अपने खातों में खतौनी गलत कर दी गई हो।

(ii) विशेष उद्देश्य बहियों एवं रोजनामचे से मदों को खाते के गलत पक्ष, अथवा गलत राशि की खतौनी की गई है अथवा गलत खाते में खतौनी की गई है।

(iii) खाते के शेष निकालने में अशुद्धि हुई हो

(iv) खातों के शेषों को तलपट में ले जाने में गलती हुई हो

आप परिणाम निकाल सकते हैं कि यदि तलपट का मिलान हो गया है तो व्यावसायिक लेनदेनों की प्रविष्टियाँ अथवा खाता बही में खतौनी ठीक से की गई हैं, लेकिन तलपट का मिलान लेखांकन संबंधित लेनदेनों के लेखा करने तथा खतौनी की शुद्धता का पक्का प्रमाण नहीं है। तलपट के मिलान होने पर भी अशुद्धियां हो सकती हैं। आप यह समझ चुके है कि कि व्यवसायिक लेनदेनों का अभिलेखा इस प्रकार किया जाता है कि सभी नाम की गई राशि उतनी ही राशि से जमा की जाती है या फिर उसके विपरीत हो सकता है। लेकिन यदि नाम का जमा से मिलान हो जाता है, भले ही अभिलेखन एवं खतौनी में गलतियां है तो भी तलपट का मिलान हो जायेगा। उदाहरण के लिए सुरेन्द्र से माल का क्रय किया गया है तथा उसकी क्रय बही में प्रविष्टि नहीं की गई है यह अशुद्धि तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करेगी।

तलपट एवं उचन्त खाता (Suspense Account)

यह मान कर चलते हैं कि तलपट का मिलान नहीं हो रहा है अर्थात तलपट के दोनों स्तम्भों के योगों में अन्तर है तो आप इस अन्तर का क्या करेंगे। इसके लिए अलग से एक खाता खोलेंगे अर्थात उचन्त खाता खालेंगें तथा अन्तर की राशि को इस खाते में लिख देंगे। इससे तलपट का मिलान हो जाएगा। इस उचन्त खाते को, जिसमें अन्तर की राशि लिखी गई है को तलपट के कम योग वाले पक्ष लिख दिया जायेगा। उदाहरण के लिए नाम स्तम्भ का योग जमा स्तम्भ के योग से ₹ 500 अधिक है। यह ₹ 500 की राशि तलपट का मिलान करने के लिए उचित खाते के सामने जमा स्तम्भ में लिख दी जायेगी।

टिप्पणी

उचन्त खाता तलपट का मिलान करने की एक अस्थाई व्यवस्था है। यह खाता तब तक रहेगा जब तक कि अशुद्धि अथवा अशुद्धियों का संशोधन नहीं किया जाता। जैसे ही इन अशुद्धियों का संशोधन हो जायेगा यह खाता समाप्त हो जाएगा।

उदाहरण 3

नीचे दी गई रोकड़ बही तथा खातों से 31 जनवरी, 2014 को तलपट तैयार कीजिए

रोकड़ बही

नाम — जमा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 1	पूँजी खाता		75,000	जन. 10	फर्नीचर		15,000
जन. 10	विक्रय		25,00	जन. 15	क्रय		25,000
				जन. 31	किराया		2,000
				जन. 31	टेलीफोन व्यय		10,000
				जन. 31	शेष आ/ले		57,000
			1,00,000				1,00,000

खाता बही

पूँजी खाता

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 31	शेष आ/ले		75,000	जन. 1	रोकड़ बही के अनुसार राशि		75,000
			75,000				75,000
				फर. 1	शेष आ/ला		75,000

विक्रय खाता

नाम — जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014			
जन. 31	व्यापार खाता		25,000	जन. 10	रोकड बही के अनुसार राशि		25,000
			25,000				25,000

टिप्पणी

क्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 15	रोकड़ बही अनुसार राशि		25,000	2014 जन. 31	व्यापार खाता		25,000
			25,000				25,000

फर्नीचर खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 10	रोकड़ बही के अनुसार राशि		15,000	2014 जन. 31	शेष आ/ले (आगे ले गए)		15,000
			15,000				15,000

किराया खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 31	रोकड़ बही के अनुसार राशि		200 200	2014 जन. 31	लाभ–हानि खाता		200
			200				200

टेलीफोन व्यय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 31	रोकड़ बही के अनुसार राशि		1,000	2014 जन. 31	लाभ हानि खाता		1,000
			1,000				1,000

हल :

तलपट
31 जनवरी, 2014 को

खाते के नाम	*नाम शेष (₹)*	*जमा शेष (₹)*
पूँजी	–	75,000
विक्रय	–	25,000
क्रय	25,000	–
फर्नीचर	15,000	–
किराया	200	–
टेलीफोन व्यय	1,000	–
हस्तस्थ रोकड़	57,000	–
उचन्त खाता	1800	–
	1,00,000	1,00,000

हमने देखा कि ऊपर के उदाहरण में तलपट के दोनों स्तम्भों का योग समान नहीं है। जमा स्तम्भ का योग नाम स्तंभ के योग से ₹ 1,800 अधिक है। दोनों ओर के योगों को समान करने के लिए उचन्त खाता लिखकर नाम के स्तम्भ में ₹ 1,800 लिख दिया जायेगा। जैसे ही त्रुटी/त्रुटियों को ढूंढ निकाला जायेगा तथा उनका सुधार कर लिया जायेगा तो उचन्त खाता समाप्त हो जायेगा।

उदाहरण 4

एक व्यापारी की लेखा पुस्तकों से नीचे दिये गये शेष लिये गये हैं। 31 मार्च 2014 को तलपट पर बनाइए।

	₹
हस्तस्थ रोकड़	4,200
बैंक में रोकड़	16,800
प्राप्त विपत्र	18,000
देय विपत्र	16,000
विभिन्न देनदार	24,600
विभिन्न लेनदार	32,400
पूँजी	50,000

टिप्पणी

आहरण	18,000
विक्रय	1,05,000
क्रय	75,000
भाड़ा आंतरिक	2,700
वेतन	12,000
विज्ञापन	2,400
बीमा	1,600
फर्नीचर	7,500
स्टॉक	18,600
कार्यालय किराया	2,000

हल

तलपट

खाते के नाम	*नाम शेष (₹)*	*जमा शेष (₹)*
रोकड़	4,200	—
बैंक	16,800	—
प्राप्य विपत्र	18,000	
देय विपत्र		16,000
विविध देनदार	24,600	
विविध लेनदार		32,400
पूँजी		50,000
आहरण	18,000	
विक्रय		1,05,000
क्रय	75,000	
भाड़ा अंतर्वाह	2,700	
वेतन	12,000	
विज्ञापन	2,400	
बीमा	1,600	
फर्नीचर	7,500	

टिप्पणी

किराया	2,000	
स्टॉक	18,600	
कुल	2,03,400	2,03,400

पाठगत प्रश्न 9.3

निम्नलिखित के उत्तर एक या दो शब्दों में दें :

i. यदि तलपट के दोनों स्तम्भों के योग समान नहीं हैं तो अंतर की राशि को किस खाते में लिखा जायेगा?

ii. यदि तलपट के नाम स्तम्भ का योग उसके जमा स्तम्भ के योग से अधिक है तो तलपट के दोनों स्तम्भों में से किस ओर अन्तर की राशि को लिखेंगे।

iii. यदि क्रय बही के योग की क्रय खाते में गलत खतौनी कर दी गई है तो क्या तलपट का मिलान होगा?

iv. जब लेखा त्रुटि/त्रुटियों में सुधार हो जायेगा तो उचन्त खाते का क्या होगा?

आपने क्या सीखा

- तलपट वह विवरण है जिसमें तिथि विशेष को किसी व्यावसायिक इकाई के सभी खातों के शेष दिए होते हैं।
- तलपट खाता बही में खतौनी की अंकगणितीय शुद्धता की जांच के लिये बनाया जाता है। यह अन्तिम खातों को तैयार करने में सहायक होता है, यह अभिलेख संबंधी अशुद्धियों को ढूंढने में सहायक होता है। यह प्रबन्ध में सहायता करता है क्योंकि इसके कारण विभिन्न अवधियों में खातों के शेषों की तुलना सम्भव है तथा यह वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय समायोजन में सहायक होता है।
- तलपट के दोनों स्तम्भों का योग समान होना चाहिए क्योंकि प्रत्येक लेन देन की नाम राशि तथा जमा राशि समान होती है।
- यदि तलपट के दोनों स्तम्भों का योग मिल जाता है तो इसका अर्थ होता है कि खाता बही में खतौनी ठीक से की गई है।
- यदि दोनों स्तम्भों का योग नहीं मिलता है तो इसका अर्थ है कि खतौनी करने में कोई अशुद्धि रह गई है।
- यदि तलपट के दोनों स्तम्भों का योग नहीं मिलता है तो अन्तर की राशि को उचन्त खाते में लिख दिया जाता है और तलपट का मिलान कर दिया जाता है।

टिप्पणी

पाठान्त प्रश्न

1. तलपट का अर्थ दीजिये।
2. तलपट बनाने के उद्देश्यों का विस्तार से वर्णन करें।
3. 'तलपट के दोनों पक्षों का योग बराबर क्यों होता है?' वर्णन कीजिए।
4. 'तलपट का मिलान खातों की शुद्धता का पक्का प्रमाण नहीं है।' टिप्पणी कीजिए।
5. उचन्त खाता क्या है? तलपट बनाने में इसकी क्या भूमिका है?
6. तलपट को बनाने में उठाये जाने वाले चरणों का वर्णन करें।
7. उन कारणों की सूची तैयार करें, जिनसे तलपट के दोनों स्तम्भों के योगों का मिलान नहीं होता।
8. 31 दिसम्बर 2014 को मल्टीपलाईंग इंटरप्राइजेज का तलपट तैयार करें।

खाता	*शेष (₹)*	*खाता*	*शेष (₹)*
हस्तस्थ रोकड़	2,500	देनदार	18,200
बैंक में रोकड़	14,500	लेनदार	16,600
पूँजी	70,000	आरंम्भिक स्टॉक	8,700
आहरण	9,000	मजदूरी	6,700
क्रय	60,000	किराया	5,000
विक्रय	82,000	वेतन	8,400
मशीन	35,000	देय विपत्र	11,400
फर्नीचर	12,000		

9. मार्च 31, 2014 को निम्न शेषों से सबाना का तलपट तैयार करे।

खाते के नाम	*नाम शेष (₹)*	*जमा शेष (₹)*
हस्तस्थ रोकड़	3,100	
बैंक अधिविकर्ष		18,250
आरम्भिक स्टॉक	24,600	

टिप्पणी

क्रय	59,800	
विक्रय		72,350
सबीना की पूँजी		50,000
आहरण	12,000	
आंतरिक भाड़ा	1,600	
किराया	2,400	
कमीशन		2,100
ब्याज	780	
फर्नीचर	5,220	
लेनदार		13,600
देनदार	27,800	
भवन	20,000	1,000
उचन्त	1,57,300	1,57,300

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

9.1 (i) नाम, जमा (ii) खतौनी (iii) अंकगणितीय

(iv) लेखा अशुद्धियां (v) वित्तीय विवरण

9.2 (i) तीन (ii) तीन (iii) शेष (iv) योग

9.3 (i) उचन्त खाता (ii) जमा पक्ष

(iii) नहीं (iv) उचन्त खाता, लुप्त होता है

पाठांत प्रश्नों के उत्तर

8. दोनों स्तम्भों का योग ₹ 1,80,000 प्रत्येक

9. नाम पक्ष का योग 1,57,300
जमा पक्ष का योग 1,56,300
उचिंत खाता जमा 1,000

टिप्पणी

क्रियाकलाप

अपने दोस्तों से चर्चा कीजिए जो विभिन्न फर्मों में लेखा लिपिक के रूप में कार्यरत हैं तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर ढूँढिए :

1. क्या वह तलपट बनाते हैं?
2. वह इन्हें कितनी बार तथा किस अन्तराल पर बनाते हैं?
3. वह कौन सी विधि अपना रहे हैं, कुल योगविधि अथवा शेष विधि?
4. तलपट के मिलान न होने पर वह क्या करते हैं?
5. उनमें से कितने लोग तलपट बनाये बगैर वित्तीय विवरण तैयार करते हैं?

उत्तरों के आधार पर रिपोर्ट तैयार कीजिए।